

नेतृत्व कौशल के महत्व को कर रहे हैं उजागर विभिन्न फील्ड के एक्सपर्ट के बीच हुए वार्ता

इंदौर। आईआईटी इंदौर नेतृत्व 21 के दूसरे संस्करण के तहत एक कार्यक्रम का आयोजन करने जा रहा है। 'लीडर्स फॉर रेडिकल चेंजेस फॉर एन आत्मनिर्भर भारत' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य हमारे जीवन में नेतृत्व कौशल के महत्व को उजागर करना है, साथ ही नवोदित दिमागों में नेतृत्व की गुणवत्ता की भावना पैदा करें और स्टूडेंट्स को समाज के प्रति अपनी शक्तियों व जिम्मेदारियों से अवगत करवाएं। तीन दिवसीय कार्यक्रम में

शुक्रवार को अलग-अलग क्षेत्र के एक्सपर्ट की ओर से नेतृत्व वार्ता हुई, 21 फरवरी को स्टूडेंट टॉक, स्टूडेंट्स जिमखाना, आईआईटी इंदौर और इंदौर के प्रमुख संस्थानों के स्टूडेंट्स के बीच होगी। इसका उद्देश्य स्टूडेंट्स को एक मंच प्रदान करना व आत्मनिर्भर बनने व नेतृत्व के सार को समझने के लिए प्रोत्साहित करना है।

प्रोफेसर नीलेश कुमार जैन, निदेशक (कार्यवाहक), आईआईटी इंदौर ने स्वागत भाषण दिया और डॉ. संतोष कुमार विश्वकर्मा, डीन, आईआईटी इंदौर ने

परिचयात्मक संबोधन के साथ नेतृत्व किया। प्रोफेसर हिमांशु राय, निदेशक, आईआईएम इंदौर बतौर मुख्य वक्ता शामिल हुए।

वार्ता के पहले सत्र में ब्रॉडकास्टिंग एंड केबल सर्विसेज के सलाहकार अनिल कुमार भारद्वाज, ट्राई, अनुरुद्ध प्रतापसिंह, राष्ट्रीय संयोजक, आईटी और सोशल मीडिया, भाजपा किसान मोर्चा और डॉ. सत्य गुप्ता, आईईएसए के अध्यक्ष व मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने अपने अनुभव साझा किए।